सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 88 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 4 मई, 2026

मूल्य ₹ 3/-

भारत सौ से भी अधिक समस्याओं वाला देश हो सकता है, लेकिन ये बिलियन सोल्यूशंस वाला देश भी है।
-कैलाश सत्यार्थी

लगातार दूसरे मैच में भी पंजाब... 7 | उत्तर प्रदेश में विस-27 चुनाव... 3 | झूठ की सोनपापड़ी बनाने वाली... 2

देश की सियासत का महाक्लाइमैक्स

पांच राज्यों के जनादेश ने बदल दिया खेल

» पश्चिम बंगाल में कमल ने और बढ़ाई अपनी ताकत
» असम में बीजेपी की सत्ता में वापसी
» केरल में कांग्रेस, तमिलनाडु में टीवीके और पुडुचेरी में कमल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव का शंखनाद अब थम चुका है और मतों की गंगा अपने अंतिम पड़ाव तक पहुंचकर एक नई राजनीतिक धारा का रूप ले चुकी है। पांच राज्यों के जनादेश ने देश की सियासत में एक ऐसा परिदृश्य रच दिया है जिसकी गूंज गोमुख से गंगा सागर तक सुनाई दे रही है। यह सिर्फ चुनावी नतीजे नहीं बल्कि जनता के मन, मिजाज और विश्वास की नई इबारत बनकर उभरे हैं। पूर्व के आकाश में जहां कभी सियासी रंग सीमित हुआ करते थे वहां आज कमल की आभा फैलती दिख रही है। पश्चिम बंगाल जहां राजनीतिक परंपराओं की गहरी जड़ें थीं अब एक नए अध्याय का साक्षी बना है।

असम की धरती पर यह रंग और गाढ़ा हुआ है जहां बहुमत के साथ बीजेपी का सत्ता की वापसी ने संदेश दिया है कि भरोसा अब स्थायित्व में बदल रहा है। चप्पा-चप्पा भाजपा का नारा अब महज उद्घोष नहीं बल्कि जनादेश का प्रतिबिंब बन चुका है। दक्षिण की ओर बढ़ते हैं तो तस्वीर और दिलचस्प हो जाती है। केरल जो वैचारिक संघर्षों की भूमि रहा है वहां सत्ता परिवर्तन ने यह जता दिया है कि जनता बदलाव के पक्ष में खड़ी है। तमिलनाडु में तो मानो सियासत की पटकथा ही बदल गई। एक नया चेहरा एक नई पार्टी और एक नई उम्मीद के साथ उभरी ताकत ने पुराने समीकरणों को पलट कर रख दिया है। यह सिर्फ जीत नहीं बल्कि बदलाव की लहर का प्रतीक है। पुडुचेरी में भी सत्ता का संतुलन बरकरार रहा जहां गठबंधन की वापसी ने यह साबित कर दिया कि स्थिरता और सामंजस्य की राजनीति को जनता का समर्थन हासिल है। कुल मिलाकर यह जनादेश कई रंगों से सजा हुआ है कहीं स्थिरता कहीं बदलाव तो कहीं नई शुरुआत का संकेत। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में एक व्यापक संदेश साफ उभरता है कि देश की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है जहां क्षेत्रीय सीमाएं धुंधली होती दिख रही हैं और राष्ट्रीय विस्तार की कहानी लिखी जा रही है।

रुझान 3 बजे तक

बंगाल-294 सीटें	
भाजपा	189
टीएमसी	98
अन्य	06
तमिलनाडु-234 सीटें	
टीवीके	105
डीमके	71
एआईडीएमके	57
केरल-140 सीटें	
यूडीएफ	90
एलडीएफ	35
भाजपा व अन्य	15
असम-126 सीटें	
भाजपा	97
कांग्रेस	27
अन्य	02
पुडुचेरी 30 सीटें	
एनडीए	13
कांग्रेस	02
अन्य	03

केरल कांग्रेस मुख्यालय में जश्न का माहौल

केरल विधानसभा चुनावों की मतगणना के अंतिम चरण में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की जोरदार बढ़त के साथ राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम स्थित कांग्रेस मुख्यालय में जश्न का माहौल बन गया है। रुझानों के

मुताबिक यूडीएफ करीब 90 सीटों पर आगे चल रहा है, जबकि वाम मोर्चा 35 और भाजपा 3 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। कांग्रेस कार्यालय के अंदर प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ लगातार टीवी स्क्रीन पर विभिन्न सीटों के रुझानों पर नजर बनाए हुए थे। शुरुआती दौर में उनके पीछे होने की खबर से कुछ समय के लिए चिंता जरूर बढ़ी, लेकिन जल्द ही उन्होंने बढ़त हासिल कर ली।

पुडुचेरी में जीते सीएम रंगास्वामी, रुझानों में फिर एनडीए सरकार

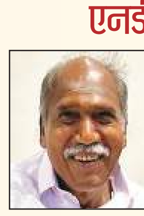

पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हुआ है, जहां मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी की अगुवाई वाली एआईएनआरसी चौथी बार सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही है। यहां मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है और नतीजे यह तय करेंगे कि मौजूदा सरकार अपनी पकड़ बनाए रखती है या बदलाव होता है।

सस्पेंस से भरपूर रहे तमिलनाडु के नतीजे

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे इस बार सचमुच सस्पेंस से भरपूर रहे। शुरुआती रुझानों से लेकर अंतिम परिणामों तक तस्वीर बार-बार बदलती रही और यही वजह रही कि पूरे देश की नजरें इस राज्य पर टिकी रहीं। पारंपरिक राजनीति के बीच इस बार एक नया मोड़ देखने को मिला जिसने चुनावी समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया। रुझानों में सबसे बड़ा चौंकाने वाला पहलू अभिनेता राजनेता विजय की पार्टी टीवीके का उभार रहा। शुरुआत में इसे सीमित प्रभाव वाली ताकत माना जा रहा था लेकिन जैसे-जैसे मतगणना आगे बढ़ी यह साफ होता गया कि पार्टी ने जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ बनाई है और उसने दिग्गज दलों को कड़ी टक्कर दी और जबर्दस्त जीत हासिल की। दूसरी ओर डीएमके और एआईडीएमके जैसी पारंपरिक पार्टियों के लिए यह चुनाव आसान नहीं रहा। दोनों दलों को कई क्षेत्रों में अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। यही कारण रहा कि कई सीटों पर जीत-हार का अंतर बेहद कम रहा और आखिरी दौर तक सस्पेंस बना रहा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार मतदाताओं ने बदलाव की इच्छा साफ तौर पर जाहिर की है।

पश्चिम बंगाल में खिला कमल

खबर लिखे जाने तक पश्चिम बंगाल में 189 सीटों पर बीजेपी और 98 सीट पर टीएमसी आगे चल रहे हैं। इस बार एक्जिट पोल लोगों की नब्ज पर हाथ रखने में कामयाब हुए और नतीजे उसी के आसपास आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख और गढ़वाल से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए है लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा मुख्यालय पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने कई चुनावी सभाएं, रैलियां और रोड शो किए। अपने भाषणों में उन्होंने बार-बार यह दावा किया था कि इस बार बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक रुझानों में भाजपा मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। भाजपा 192 सीटों पर आगे चल रही है जबकि तृणमूल कांग्रेस 94 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। इसके अलावा एजेयूपी 2 सीटों पर आगे है, भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) 1 सीट पर, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीट पर और ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआईएसएफ) 1 सीट पर आगे चल रहे हैं।

असम में फिर हिमंत सरकार

असम में बीजेपी सत्ता में वापसी कर रही है और हेमंत बिसवा सरकार ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इस चुनाव में कांग्रेस को जर्बदस्त झटका लगा है। भारतीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के मुताबिक 126 विधानसभा सीटों के रुझान सार्वजनिक किए हैं। रुझानों में भाजपा 78 विधानसभा सीटों पर बढ़त बना चुकी है, जबकि कांग्रेस सिर्फ 24 सीटों पर आगे है। वहीं, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) को दो सीटों पर बढ़त मिली है। जालुकबारी सीट पर रुझानों में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी बढ़त बनाए हुए हैं। वे लगभग 12 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं, असम कांग्रेस के अध्यक्ष और जोरहाट से पार्टी उम्मीदवार गौरव गोगोई शुरुआती रुझानों में 9 हजार से अधिक वोटों से पीछे हैं। असम के 35 जिलों में बनाए गए 40 केंद्रों पर मतगणना की जा रही है। अधिकारियों ने बड़े निर्वाचन क्षेत्रों वाले जिलों में विशेष व्यवस्था की है। नगांव में मतगणना तीन अलग-अलग स्थानों पर हो रही है, जबकि कोकराझार, तिनसुकिया और जोरहाट में प्रत्येक में दो मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। एनडीए सहयोगियों में, असम गण परिषद ने 26 उम्मीदवार उतारे, जबकि बोडो पीपुल्स फ्रंट ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा। विपक्षी गठबंधन में राइजर दल ने 13 उम्मीदवार उतारे, असम जातीय परिषद ने 10, माकपा ने तीन और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा। चुनाव मैदान में शामिल अन्य पार्टियों में आम आदमी पार्टी और यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल शामिल हैं, जिन्होंने 18-18 सीटों पर चुनाव लड़ा।

झूठ की सोनपापड़ी बनाने वाली पार्टी है भाजपा : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- जब बिजली के स्मार्ट मीटर में हो सकती है गड़बड़ी तो ईवीएम में क्यों नहीं

चुनाव आयोग को इसे गंभीरता से लेना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर करारा प्रहार किया। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई बढ़ा दी गई है। सपा मुखिया ने भाजपा को उसे झूठ की सोनपापड़ी बनाने वाली पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि जनता इस बात को बखूबी जानती थी कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई का ग्राफ ऊपर जाएगा, और आज वही हो रहा है।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने करीबियों को ज्यादा मुनाफा कमाने से नहीं रोक रही है, जिसके कारण आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमें तब तक नहीं रुकना चाहिए जब तक हम अपना लक्ष्य हासिल न कर लें। चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यदि स्मार्ट मीटर में बेईमानी संभव है, तो ईवीएम में गड़बड़ी क्यों नहीं हो सकती? उन्होंने निर्वाचन आयोग को एक निष्पक्ष संस्था बताते हुए भी रामपुर और अन्य उपचुनावों के अनुभवों का जिक्र किया और कहा कि भाजपा भय का माहौल बनाकर चुनाव लड़ती है।

जिस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने किया हो, वो बंद मिला

सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी सरकार में बांटे गए लैपटॉप आज भी सुचारू रूप से चल रहे हैं, जिन्हें डिजिटल डिवाइड खत्म करने के उद्देश्य से दिया गया था। सरकारी कार्यशैली पर तंज कसते हुए उन्होंने हरदोई जाने का एक किस्सा सुनाया, जहाँ प्रशासन ने एक्सप्रेस-वे बंद होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि जिस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने किया हो, उसका बंद होना बड़ी बेइज्जती की बात होती। अखिलेश के इस हस्तक्षेप के बाद न केवल एक्सप्रेस-वे खुला, बल्कि कुछ दिनों के लिए उसे मुफ्त भी कर दिया गया।

गोरखपुर में हजारों शिक्षकों के पद कम किए गए

उन्होंने रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि अकेले गोरखपुर में ही हजारों शिक्षकों के पद कम हो गए हैं, जिससे पूरे प्रदेश की चिंताजनक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

दिशा की बैठक में न बुलाने से भड़के विधायक मेहरोत्रा, बोले- मुझे जानकारी नहीं

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक चार मई को है। इसका एजेंडा जारी कर दिया गया है, लेकिन इस खास बैठक की जानकारी सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा को नहीं है। इस पर पार्टी ने नाराजगी व्यक्त की है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, पहले यह बैठक समिति के अध्यक्ष राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में होनी थी, लेकिन बाद में उन्होंने समिति के सह अध्यक्ष एवं सांसद (राज्यसभा) डॉ. दिनेश शर्मा को बैठक की अध्यक्षता के लिए अधिकृत कर दिया। डॉ. दिनेश शर्मा के निर्देश पर इस बैठक का निर्णय लिया गया। इसके बाद समिति के सदस्य सचिव एवं जिलाधिकारी ने बैठक का एजेंडा जारी किया है। बैठक में केंद्र सरकार की कृषि विकास की योजनाओं, आरजीएसए, पीएम मात्र वंदना समेत 98 योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी। जिला प्रशासन की ओर से जारी पत्र के मुताबिक बैठक में जिले के सभी सांसदों, विधायकों, एमएलसी व सांसद (राज्यसभा) के अलावा महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख व नगर पंचायत अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया है। लखनऊ मध्य से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा से जब बैठक के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें बैठक की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। बैठक में विपक्ष के विधायकों को भी नियमानुसार बुलाना चाहिए, मगर प्रशासन नहीं बुलाता। ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है।

अरमान बोले- उठाएंगे विकास के मुद्दे

लखनऊ पश्चिम से सपा विधायक अरमान खान ने बताया कि दिशा की बैठक की सूचना प्रशासन की ओर से उन्हें मिली है। वह बैठक में पहुंच कर क्षेत्र में विकास के मुद्दे उठाएंगे।

14 से अब तक झारखंड को नहीं मिली कोई राहत : सुप्रियो

» महंगाई को लेकर झामुमो का केंद्र सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत में सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए।

महंगाई कम करने में असफल रही भाजपा सरकार सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी ने 2014 में सत्ता संभाली थी, तब महंगाई कम करने का वादा किया गया था। लेकिन 2014 से 2026 तक के दौरान महंगाई पर काबू पाने में सरकार पूरी तरह असफल रही है और आम लोगों को राहत नहीं मिल पाई। सुप्रियो भट्टाचार्य ने आशंका जताई कि आगामी चुनावों के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता पर आर्थिक दबाव और बढ़ेगा। उनके मुताबिक, महंगाई की मार से आम लोगों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है झामुमो नेता ने यह भी आरोप लगाया कि देश में निजी उद्योग कमजोर हो रहे हैं और कई जगह कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। इसके अलावा, गैस जैसी जरूरी सुविधाएं भी आम लोगों तक आसानी से नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे जीवन-यापन और मुश्किल हो गया है।

जनता की समस्याओं की अनदेखी

उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनता की समस्याओं की अनदेखी कर केवल चुनावी तैयारियों में व्यस्त है। अंत में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि महंगाई और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन तेज किया जाएगा।

विनेश फोगाट ने बृजभूषण पर लगाया बड़ा आरोप

» कहा- उन छह खिलाड़ियों में मैं भी जिनका हुआ था शोषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। ओलंपियन पहलवान व जुलाना से कांग्रेस की विधायक विनेश फोगाट ने हाल ही में सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि वह बीते डेढ़ साल से कुश्ती अखाड़े से दूर थी, लेकिन कुछ महीने पहले उन्होंने दोबारा अभ्यास शुरू किया है। विनेश फोगाट ने बताया कि वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कठिन परिश्रम के साथ फिर से देश के लिए पदक जीतने और तिरंगे की शान बढ़ाने के लक्ष्य में जुटी हैं। विनेश ने कुश्ती संघ द्वारा घोषित रैंकिंग प्रतियोगिता पर भी गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश में उस स्थान पर आयोजित की जा रही है, जहां बृज भूषण शरण सिंह का निजी शिक्षण संस्थान है। ऐसे स्थान पर मेहनत करने वाले खिलाड़ियों को उनका अधिकार मिलना बेहद कठिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि किस मुकाबले में कौन निर्णायक होगा, किसे कितने अंक दिए जाएंगे और किस खिलाड़ी को जिताया या हराया जाएगा, इस पर प्रभाव डाला जा सकता है। विनेश फोगाट ने कहा कि आज से तीन साल पहले हमने महिला खिलाड़ियों के शारीरिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाई थी। उससे संबंधित केस कोर्ट में पेंडिंग है। 6 महिला खिलाड़ियों ने उसमें शिकायत और गवाही दी थी जिनमें से मैं बताना चाहती हूं कि मैं भी उनमें से एक विक्टिम हूं। उस केस में गवाहियां चल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है कि किसी भी पीड़ित की पहचान को सार्वजनिक न किया जाए लेकिन आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं अपना नाम सार्वजनिक कर रही हूं।

आरोपित के शहर में कुश्ती का आयोजन होना अनुचित : शादाब

» शादाब चौहान ने बीजेपी पर साधा निशाना

एआईएमआईएम प्रवक्ता ने कहा कि ये एकदम सामान्य नहीं है कि जो व्यक्ति आरोपित है उन्हें अभी अदालत ने बरी नहीं किया है आरोप न तो सिद्ध हुए है और न ही आरोप गलत साबित हुए हैं, तो तब तक कम से कम ऐसी जगह पर किसी भी कुश्ती का आयोजन होना सवालिया निशान खड़े करता हैं।दूसरा ये है कि सरकारें सिर्फ बात करती हैं महिला सशक्तिकरण की लेकिन, जब महिला उत्पीड़न में सत्ताधारी दल से संबंधित लोग होते हैं तो उनके प्रति किस प्रकार से नरम रवैया अपनाया जाता है ये जगज़ाहिर है। शादाब चौहान ने कहा कि हमारी पार्टी माँग करती हैं कि महिलाओं की सुरक्षा और मान-सम्मान सुनिश्चित करना ये सरकार की जिम्मेदारी है और अगर नहीं कर पाती है तो ये सब नौटंकी करना बंद करिए और माफी मांगिए। खिलाड़ियों का अपमान और खिलाड़ियों की जो चिंता है उसका भी ध्यान खेल मंत्रालय को रखना चाहिए। खेल भावना तभी पूर्ण होगी जब खिलाड़ियों की सुरक्षा सम्मान सुनिश्चित होगा और खेल में निष्पक्षता होगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

हरियाणा में मेरी वजह से दो बार सरकार बनी : कुलदीप

» बीजेपी को दी चुनौती, कहा- अर्श से फर्श पर आ जाओगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। हरियाणा में बीजेपी की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल पर दिए गए विवादित बयान को लेकर उनके बेटे कुलदीप बिश्नोई ने चुप्पी तोड़ दी है। कुलदीप बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ बगावत कर दी है।

कुलदीप ने कहा कि रेखा शर्मा का बयान भूल नहीं, उनकी सोच बताती है। इन जैसी नौसिखिए को नहीं पता कि इतिहास पढ़ना आसान है, लेकिन रचने के लिए खून पसीना एक करना पड़ता है। जिसे औकात से ज्यादा मिल जाए तो बहुत कम लोग उसे पचा पाते हैं। रेखा का भी यही हाल है।

राज्यसभा के पद की गरिमा तो रख लेते। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने भी ऐसी ही बात कही। मैं इसकी निंदा करता हूं। एक ऐसा व्यक्ति जिसकी कुछ औकात नहीं, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के रूप में बैठे हो बीजेपी ने आपको थोपा या बनाया।

चौधरी भजनलाल जैसे सम्मानित व्यक्ति के पीछे जी लगाना जरूरी नहीं समझा। कुलदीप ने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि प्रदेश में अगर बीजेपी सरकार बनी तो वह कुलदीप की वजह से। तीन में से दो बार सरकार बनाने में मेरा योगदान है। पहले बीजेपी को कोई नहीं जानता था। मेरे गठबंधन की वजह से सरकार बनी।

उत्तर प्रदेश में विस-27 चुनाव पर सबकी तैयारी चरम पर

पीडीए को बनाया जा रहा मुख्य चुनावी आधार

सपा पूरी तरह से करेगी संगठन में आमूलचूल बदलाव

» बूथ से लेकर जिले स्तर तक कसे जाएंगे पेंच

» भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 27 विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। भाजपा, सपा, कांग्रेस व बसपा के साथ-साथ छोटें दलों अपनी तैयारी व रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। सभी पार्टियां विभिन्न मुद्दों भाजपा सरकार को घेरने का कोई भी नहीं छोड़ती हैं। पर इन सब पार्टियों में सपा ने ज्यादा तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। गाजीपुर, हरदोई से लेकर मेरठ जहां भी किसी पर कोई अत्याचार होता है सपा व उसकर शीर्ष नेतृत्व सबसे आगे रहता है। सपा कानून व्यवस्था को लेकर जहां सरकार को घेरने में वह पीछे नहीं रहती वहीं पीड़ितों के आंसू पोछने में भी वह आगे रहती है।

सपा की सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं और इसी के साथ समाजवादी पार्टी अपने संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से मजबूत करने में जुट गई है। पार्टी अब पीडीए-पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फॉर्मूले को केवल नारे तक सीमित न रखकर उसे संगठन के हर स्तर पर लागू करने की रणनीति पर काम कर रही है। महिला सभा में हालिया बदलावों के जरिए इसकी शुरुआत हो चुकी है और अब संकेत मिल रहे हैं कि जल्द ही अन्य फ्रंटल संगठनों और जिला इकाइयों में भी व्यापक फेरबदल देखने को मिल सकता है। पार्टी नेतृत्व का फोकस साफ है, सामाजिक संतुलन के साथ एक ऐसा संगठन खड़ा करना जो चुनावी तौर पर अधिक प्रभावी साबित हो।

जिला और मंडल स्तर कसे जाएंगे पेंच

पार्टी केवल शीर्ष और फ्रंटल संगठनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जिला और मंडल स्तर पर भी बदलाव की तैयारी चल रही है। करीब 10 से अधिक जिलों में जिलाध्यक्ष बदले जा सकते हैं। हाल ही में बरेली और बिजनौर में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति इसी प्रक्रिया का हिस्सा मानी जा रही है। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर भी नए सिरे से सक्रिय करना चाहती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि पीडीए केवल एक नारा नहीं, बल्कि संगठन और चुनाव दोनों की मूल रणनीति है। यदि इसे संगठनात्मक ढांचे में सही तरीके से लागू नहीं किया गया, तो इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर कमजोर पड़ सकता है। इसी सोच के तहत सपा नेतृत्व अब सक्रिय, सामाजिक रूप से संतुलित और चुनावी तौर पर प्रभावी टीम तैयार करने पर जोर दे रहा है।

पूर्वी यूपी में खास नजर

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, राजभर और निषाद जैसे समुदायों के नेताओं को आगे बढ़ाकर पार्टी पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपने आधार को मजबूत करना चाहती है। इसे भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस कदम से पार्टी सामाजिक समीकरणों को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है।

महिला सभा में जोश भरने की कवायत

समाजवादी पार्टी ने हाल ही में महिला सभा में बड़े बदलाव करते हुए सीमा राजभर को राष्ट्रीय अध्यक्ष और रुक्मणि देवी निषाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इन नियुक्तियों को पीडीए रणनीति को जमीनी स्तर पर लागू करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। पहले इन पदों पर अगड़ी जाति की नेताओं का वर्चस्व था, लेकिन अब पार्टी पिछड़े और अति-पिछड़े वर्ग की महिलाओं को नेतृत्व में आगे लाकर स्पष्ट राजनीतिक संदेश दे रही है।

फ्रंटल संगठनों में होगा फेरबदल

सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी जल्द ही युवा सभा, छात्र सभा, मजदूर सभा, लोहिया वाहिनी, व्यापार सभा और अल्पसंख्यक सभा जैसे फंटल संगठनों में भी बदलाव कर सकती है। इन संगठनों में नई जिम्मेदारियां तय करते समय सामाजिक और जातीय संतुलन को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि संगठन के हर स्तर पर पीडीए की झलक दिखाई दे।

महाराष्ट्र में बड़ा सियासी बदलाव

» किसान नेता बच्चू कडू शिंदे के गुट में जुड़े

» एनसीपी ने पर जिशान पर खेला दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी उलटफेर बड़ी तेजी से जारी है। जहां किसान नेता और पूर्व राज्य मंत्री कडू अपनी पार्टी का विलय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट में भी करेंगे। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने एमएलसी चुनावों के लिए अपने उम्मीदवार के तौर पर पूर्व विधायक और पार्टी के दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को मैदान में उतारा है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया जब कडू ने बुधवार रात शिंदे से मुलाकात की और किसानों, खेतिहर मजदूरों और दिव्यांग (अलग-अलग तरह से सक्षम) लोगों के लिए अपनी माँगें रखीं। प्रहार जनशक्ति पक्ष के प्रमुख बच्चू कडू महाराष्ट्र में होने वाले आगामी विधान परिषद चुनावों के लिए शिवसेना के उम्मीदवार होंगे, उन्होंने यह बात कही। किसान नेता और पूर्व राज्य मंत्री कडू अपनी पार्टी का विलय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट में भी करेंगे। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब कडू ने बुधवार रात शिंदे से मुलाकात की और किसानों, खेतिहर मजदूरों और दिव्यांग (अलग-अलग तरह से सक्षम) लोगों के लिए अपनी माँगें रखीं। उन्होंने (शिंदे ने) मुझे मेरे मुद्दों पर समर्थन का भरोसा दिया, और इसलिए मैंने शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया है। मैं MLC चुनाव के लिए शिवसेना के उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन भरूँगा। कडू ने पत्रकारों से कहा कि मैं 2024 का चुनाव हार गया, लेकिन फिर भी मैं राज्य सरकार से किसानों के कर्ज माफी की माँग मंज़ूर करवाने में कामयाब रहा। सरकार ने राज्य में दिव्यांग लोगों के लिए आर्थिक मदद बढ़ाने की मेरी माँग भी मान ली।

कडू कभी अविभाजित शिवसेना के नेता थे

कडू कभी अविभाजित शिवसेना के नेता थे, लेकिन 1999 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी और प्रहार जनशक्ति पक्ष बनाया था। शिवसेना में अपनी वापसी पर, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने कहा कि वह पार्टी के लिए कोई नए नहीं हैं और वह बस कुछ समय के अंतराल के बाद वापस लौट रहे हैं।

एनसीपी ने जीशान सिद्दीकी को मैदान में उतारा

एक और घटनाक्रम में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने एमएलसी चुनावों के लिए अपने उम्मीदवार के तौर पर पूर्व विधायक और पार्टी के दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को मैदान में उतारा है। वह आज ही बाद में अपना नामांकन भी दाखिल करेंगे। जीशान ने 24 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बांद्रा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली थी। वह शिवसेना (यूबीटी) के वरुण सरदेसाई से 11,000 से ज्यादा वोटों से हार गए थे। एमएलसी द्वारा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ज़ीशान ने कहा कि मैं सुनेत्रा पवार और अन्य नेताओं का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। यह हम सभी के लिए एक बड़ा दिन है। मैं युवाओं की आवाज उठाने की पूरी कोशिश करूंगा।

महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनाव 12 को

महाराष्ट्र विधान परिषद के नौ सदस्य, जिनमें शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं, 13 मई को रिटायर हो जाएंगे। इन नौ सीटों और परिषद की एक सीट पर उपचुनाव के लिए वोटिंग 12 मई को होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख गुरुवार को दोपहर 3 बजे तक है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गौतम बुद्ध का अनुसरण कर शांत रह सकती है दुनिया

> "गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है।

आज पूरी दुनिया बुद्ध पूर्णिमा मना रही है। आज पूरा विश्व अशांत में है। इस तल्ख माहौल में पूरे विश्व को भगवान बुद्ध के शिक्षा अहिंसा का अनुसरण करना चाहिए और शांति व सदभावना से पूरी दुनिया को चलाने का संकल्प लेना चाहिए। मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन केवल एक युग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के पथ को आलोकित करता है। गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन अद्वितीय है, क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण-तीनों घटनाएं घटित हुईं।

नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे सिद्धार्थ ने बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और कुशीनगर में निर्वाण को प्राप्त हुए। इस दृष्टि से यह दिन केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता, जागरण और मुक्ति का प्रतीक है। आज विश्व के विभिन्न देशों-श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, कोरिया और भारत में इसे विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका में 'वेसाक' के रूप में दीपों और करुणा के उत्सव के रूप में यह दिन विशेष रूप से उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन-निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ऊर्जा-आत्मनिर्भरता की राह में बड़ा कदम

प्रमोद जोशी

भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में हाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की, जो नाभिकीय चेन रिएक्शन की शुरुआत है। यह प्रोटोटाइप एफबीआर 500 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) रिएक्टर है, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) ने तमिलनाडु के कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में निर्मित किया है। यह तकनीक नाभिकीय ऊर्जा में यूरेनियम पर निर्भरता कम करेगी। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपने तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जिसकी परिकल्पना डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने की थी। वैश्विक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके पूर्ण संचालन में आने के बाद, रूस के बाद भारत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करने वाला, दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा।

ईरान-युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभावों के साथ, दुनियाभर के देश ऊर्जा सुरक्षा की तलाश में हैं। ज्यादातर देश कोयले और पेट्रोलियम के रूप में फॉसिल फ्यूल के सहारे हैं, पर अब उनके खत्म होने का समय है। वैसे भी उनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को देखते हुए विकल्पों की तलाश चल रही है। पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों की तुलना में नाभिकीय ऊर्जा सबसे आगे है, क्योंकि बड़े स्तर पर वही जरूरत पूरी कर सकती है। उसके साथ भविष्य के तकनीकी विकास भी जुड़े हैं, जो नए विकल्पों को खोलेंगे। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हाल में संलयन (फ्यूजन) ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त घोषणा की है। व्यावसायिक रूप से इस पद्धति से बिजली बनाने में अभी कई दशक लगेंगे, पर भविष्य में यह ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत साबित होगा। यह बिजली भी परमाणु के नाभिकीय में छिपे ऊर्जा स्रोत पर आधारित होगी, पर अभी प्रचलित विखंडन पर आधारित नाभिकीय ऊर्जा से एकदम अलग और सुरक्षित होगी।

नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ है, पर उसके साथ दुर्घटनाओं के जोखिम हैं। इस वजह से जर्मनी ने 2023 में परमाणु विखंडन (फिजन) को छोड़ने का फैसला किया है। वह भी परमाणु संलयन तकनीक पर भारी निवेश कर रहा है, जिसे वह भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में देखता है। जापानी नेतृत्व ने 2011 की फुकुशिमा आपदा से पैदा हुई सार्वजनिक चिंताओं के बावजूद अब परमाणु ऊर्जा को फिर

से अपनी प्राथमिकता बनाया है। ईरान युद्ध ने, उनके परमाणु संयंत्रों को फिर से खोलने और नए संयंत्र बनाने की बातें हैं। दक्षिण कोरिया पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा उत्पादकों में से एक है। वह भी अपनी असैनिक-परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है। भारत में परमाणु ऊर्जा के सतत विकास के लिए फास्ट ब्रीडर की अनिवार्यता को डॉ. होमी भाभा ने 1950 के दशक में ही समझ लिया था। उन्होंने माना कि भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम को लंबे समय तक चला नहीं पाएंगे। उन्होंने यूरेनियम के कुशल उपयोग के लिए ब्रीडर प्रणाली का सुझाव दिया। भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएफबीआर परियोजना की गतिविधियां 2003 में शुरू हुईं और उसी वर्ष 'भाविनी' नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना हुई। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकैलिटी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है। यह भारत के दीर्घकालिक परमाणु विजन की परिपक्वता और उसकी स्वदेशी क्षमताओं की मजबूती को दर्शाती है। सीमित यूरेनियम संसाधनों से लेकर थोरियम-संचालित भविष्य तक, भारत का तीन-चरणीय कार्यक्रम अब क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में हुई प्रगति उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में भरोसे को दर्शाती है। जैसे-जैसे क्षमता का विस्तार होगा और नई प्रौद्योगिकियां आकार लेंगी, परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण में कहीं अधिक केंद्रीय भूमिका निभाने लगेगी। इस समय रूस ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर संचालित कर रहा है। हालांकि, कई देशों ने प्रायोगिक फास्ट रिएक्टर विकसित या संचालित किए हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, जर्मनी और चीन शामिल हैं, पर इनमें से ज्यादातर कार्यक्रम बंद हैं।

इनकी लागत और तकनीकी सुरक्षा आड़े आई, पर भारत ने इन दिक्कतों पर काबू पाया है, क्योंकि यह तकनीक ही हमारी मददगार है। भारत के पास सीमित यूरेनियम भंडार हैं, लेकिन थोरियम के विश्व के सबसे बड़े भंडारों में से एक है। इसके लिए हमारे परमाणु ऊर्जा विभाग ने तीन-चरणों वाला नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम बनाया है। इस कार्यक्रम का पहला चरण है, प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिएक्टर , जिसमें प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग किया जाता है। इनमें प्रयुक्त ईंधन प्लूटोनियम उत्पन्न करता है, जो अगले चरण के लिए मुख्य इनपुट बनता है।

कोशिका स्तर पर जैविक उम्र बढ़ाती गर्मी

मुकुल व्यास

तेजी से गर्म होती दुनिया में गर्मी का मौसम अब ज्यादा सताने लगा है। गर्मी पहले से कहीं ज्यादा लंबी और जानलेवा हो गई है। बहुत ज्यादा गर्मी के स्पष्ट प्रभाव डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और थकावट के रूप में दिखाई देते हैं लेकिन वैज्ञानिकों का दावा है कि तेज गर्मी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी तेज कर सकती है। सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया एक नया अध्ययन बताता है कि बहुत ज्यादा गर्मी कोशिका स्तर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में तेजी ला सकती है। यह हमें अच्छी तरह से ज्ञात है कि बहुत अधिक तापमान शरीर पर दबाव डाल सकता है। लेकिन अब इस बात के सबूत बढ़ रहे हैं कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से आयु-वृद्धि की प्रक्रिया तेज हो सकती है। किसी व्यक्ति की तारीख के अनुसार गिनी जाने वाली उम्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी जैविक उम्र होती है। यही स्वास्थ्य का असली पैमाना है।

जैविक उम्र यह दिखाती है कि हमारी कोशिकाएं, ऊतक और अंग कितनी अच्छी तरह काम करते हैं। जब जैविक उम्र तिथि आधारित उम्र से ज्यादा होती है, तो बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन की वरिष्ठ लेखक जेनिफर एलशायर का कहना है कि गर्म इलाकों में रहने वाले लोगों में ठंडे इलाकों के लोगों की तुलना में जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया ज्यादा तेज होती है। गर्मी और उम्र बढ़ने के बीच संबंध की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने 56 साल और उससे अधिक उम्र के 3,600 से ज्यादा लोगों के डेटा की जांच की, जो स्वास्थ्य और सेवानिवृत्ति से संबंधित अध्ययन में शामिल थे। वैज्ञानिकों ने छह साल की अवधि में रक्त के नमूने लिए और जीन संबंधी बदलावों का पता लगाने के लिए उनका विश्लेषण किया। ये ऐसे रासायनिक परिवर्तन हैं जो जीन के काम करने के तरीके पर असर डालते हैं। इस क्षेत्र में एक बड़ी प्रक्रिया 'डीएनए मिथाइलेशन' है, जिसमें एक रसायन डीएनए में जुड़ता है। यह प्रक्रिया आनुवंशिक कोड में बदलाव किए बिना जीन को चालू या बंद कर सकती है।

शोधकर्ताओं ने इन आणविक परिवर्तनों पर नजर रखने के लिए एक जैव-रासायनिक टूल (एपिजेनेटिक घड़ी) का इस्तेमाल किया। यह टूल मिथाइलेशन पैटर्न का पता लगाकर जैविक उम्र का अनुमान लगाता है। शोधकर्ताओं ने 2010 से 2016 तक के पुराने गर्मी सूचकांक डेटा के साथ जैविक उम्र बढ़ने की दरों की तुलना की, जिससे गर्मी और आयु-वृद्धि के बीच एक मजबूत संबंध का पता चला। तापमान और आर्द्रता के मिश्रण से यह तय होता है कि गर्मी कितनी ज्यादा है। बहुत ज्यादा गर्मी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। सतर्कता स्तर 27 सेल्सियस 32 सेल्सियस तक होता है। बहुत ज्यादा सावधानी वाली श्रेणी 32 सेल्सियस से 40 सेल्सियस तक होती है। सबसे खतरनाक स्तर 40 सेल्सियस से शुरू होता है और 51 सेल्सियस तक जाता है। इस अध्ययन में यह देखा गया कि हर स्तर की गर्मी के बार-बार संपर्क में आने से जैविक उम्र पर कितना असर पड़ता है।

बहुत ज्यादा गर्मी के ज्यादा दिनों का मतलब था कोशिका स्तर पर तेजी से उम्र बढ़ना। कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक भीषण तापमान बना रहता है, और इसका वहां के निवासियों की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर प्रभाव चौंकाने वाला होता है। बहुत ज्यादा गर्मी अब लोगों को रोजाना के आसान काम भी नहीं करने दे रही है। तेज गर्मी में चलना, सफाई करना या बाहर काम करना मुश्किल होता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने एक अन्य अध्ययन में पाया कि 1950 के दशक से, हर साल उन घंटों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जब गर्मी सामान्य गतिविधियों के लिए खतरनाक हो जाती है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी और कई दूसरे संगठनों के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया कि तापमान और आर्द्रता का इंसान के शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है। नतीजों से पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी दैनिक जीवन के लिए, खासकर बुजुर्गों के लिए एक चुनौती बनती जा रही है। अध्ययन की सह-लेखक जेनिफर वैनोस ने कहा कि गर्मी के बारे में ज्यादातर अध्ययन इस बात पर फोकस करते हैं कि गर्मी कितनी लगती है। नया अध्ययन एक अलग सवाल पूछता है कि इंसान का शरीर उस गर्मी में सुरक्षित रूप से क्या कर सकता है। सिर्फ तापमान मापने के बजाय अध्ययन में यह देखा गया कि गर्मी और आर्द्रता शरीर की खुद को ठंडा करने की क्षमता पर कैसे असर डालती हैं। शरीर आमतौर पर पसीना निकलने से ठंडा होता है।

लेकिन ज्यादा नमी इस प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे त्वचा से गर्मी को बाहर निकलने में मुश्किल होती है। शोधकर्ताओं ने एक खास मॉडल का इस्तेमाल करके यह अंदाजा लगाया कि कोई इंसान अलग-अलग मौसम में कितनी गतिविधि सुरक्षित रूप से कर सकता है। यह मॉडल स्टडी करता है कि शरीर वातावरण मिलने वाली से गर्मी और शारीरिक गतिविधि के दौरान पैदा होने वाली गर्मी के बीच कैसे संतुलन बनाता है। अगर शरीर तेजी से गर्मी नहीं निकाल पाता तो शरीर का अंदरूनी तापमान बढ़ जाता है और इससे हीटस्ट्रोक हो सकता है। हल्की गर्मी में हल्के काम शरीर को ज्यादा गर्म किए बगैर सुरक्षित रूप से किए जा सकते हैं लेकिन जब गर्मी बहुत ज्यादा हो जाती है तो यह एक्टिविटी असुरक्षित हो जाती है। टीम ने पाया कि कुछ जगहों पर मौसम साल के सबसे गर्म घंटों में ही ऐसे हालात बना सकता है जो रहने लायक नहीं होते। इन हालात में, छाया में चुपचाप बैठने से भी शरीर का तापमान बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने 1950 से 2024 तक वैश्विक तापमान और आर्द्रता डेटा का विश्लेषण

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर...

वैशाख के बाद हिंदू नववर्ष का तीसरा महीना ज्येष्ठ मास शुरू होता है। मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित है लेकिन ज्येष्ठ के महीने में आने वाला हर मंगलवार हनुमान जी की पूजा के लिए पुण्यकारी बताया गया है। इन्हें बुढ़वा मंगल या बड़ा मंगल के नाम से जाना जाता है। बड़ा मंगल से हनुमान जी और श्रीराम से गहरा नाता है। बड़ा मंगल में हनुमान जी के वृद्ध स्वरूप की पूजा की जाती है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बड़ा मंगल को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसकी शुरुआत भी यहीं से हुई थी। इस साल ज्येष्ठ महीना 2 मई से शुरू होकर 29 जून तक चलेगा। इस महीने में अधिकमास लग जाने के कारण ये महीना पूरे 59 दिन का होने वाला है। जिससे इस दौरान हनुमान जी की भक्ति के लिए पूरे 8 मंगलवार मिलेंगे। इससे पहले 2007 में ऐसा संयोग बना था और अब पूरे 19 सालों बाद ऐसा दोबारा होने जा रहा है। कहते हैं जो भी भक्त इस दौरान सच्चे मन से हनुमान जी को याद करता है उसके जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

कितने हैं बड़ा मंगल

पहला बड़ा मंगल - 5 मई, दूसरा- 12 मई, तीसरा - 19 मई, चौथा - 26 मई, पांचवां- 2 जून, छठा- 9 जून, सातवां- 16 जून और आठवां बड़ा मंगल - 23 जून 2026 को होगा।

ऐसे हुई बड़े मंगल की शुरुआत

बड़ा मंगल मनाने की परंपरा नवाब सआदत अली के कार्यकाल (1798-1814) के दौरान हुई थी। एक बार नवाब के बेटे मोहम्मद अली शाह के बेटे की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि तमाम इलाज के बाद भी वह ठीक नहीं हुआ तब किसी ने नवाब और बेगम को लखनऊ के अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर में बेटे की सलामती की दुआ मांगन को कहा। दोनों से ऐसा ही किया, बेटे की तबीयत में सुधार हो गया। संतान को आरोग्य की प्राप्ति होने पर बेगम ने मंदिर के निर्माण का वादा किया था। मंदिर का काम ज्येष्ठ महीने में पूरा हो गया, तभी से यहां बड़ा मंगल मनाया जाता है। मंगलवार के दिन स्नान करके हनुमान जी को रोली चंदन का तिलक लगाएं। हनुमान जी को लाल वस्त्र से अत्यधिक प्रेम है। इसलिए लाल वस्त्र का दान करने पर विशेष फल प्राप्त होता है।

बड़ा मंगल क्यों मनाया जाता है

पौराणिक कथा कहती है कि ज्येष्ठ के महीने में ही त्रेतायुग में भगवान राम की मुलाकात वीर बजरंगी हनुमान से हुई थी। इसलिए इस महीने के मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूजा करने वालों के बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं। इस विशेष दिन पर, मंदिरों में कीर्तन आयोजित किए जाते हैं, एक धार्मिक भोज (भंडारा) आयोजित किया जाता है।

पूजा का लाभ

संकट मोचन का पूजन करने से सारे संकट दूर हो जाते हैं। बड़े मंगल को व्रत रखकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। बजरंग बाण का भी पाठ करना लाभकारी होता है।

बड़ा मंगल पर क्या करें

हनुमान मंदिर में जाकर बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और सुंदरकांड का पाठ करें। मान्यता है कि ऐसा करने से हनुमान जी आपके सारे संकट दूर करेंगे और आपके सभी काम पूरे होने लगेंगे। बड़ा मंगल के दिन हनुमान जी की पूजा के अलावा राहगीरों को पानी, शबरत पिलाएं।

हंसना मना है

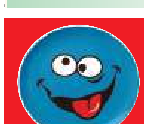

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी-मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को, देख बस से जाती है। पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले। अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

मैंने दरवाजा खोला तो, उसकी आंखो में आंसू, चेहरे पर हंसी थी, सांसों में आहे, दिल मे बेबसी थी, पगली ने पहले नहीं बताया की, दरवाजे मे उसकी ऊंगली फंसी थी।

कहानी | हार से क्रोध का कनेक्शन

एक बार शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच सोलह दिन तक लगातार शास्त्रार्थ चला। शास्त्रार्थ की निर्णायक थीं मंडन मिश्र की धर्म पत्नी देवी भारती। हार-जीत का निर्णय होना बाक़ी था, इसी बीच देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से कुछ समय के लिये बाहर जाना पड़ गया। लेकिन जाने से पहले देवी भारती नें दोनों ही विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, यें दोनो मालाएं मेरी अनुपस्थिति में आपके हार और जीत का फैसला करेंगी। कुछ देर बाद देवी भारती अपना कार्य पूरा करके लौट आई। उन्होंने अपनी निर्णायक नजरों से शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी- बारी से देखा और अपना निर्णय सुना दिया। उनके फैसले के अनुसार आदि शंकराचार्य विजयी घोषित किये गये और उनके पति मंडन मिश्र की पराजय हुई थी। सभी लोग ये देखकर हैरान हो गये कि बिना किसी आधार के इस विदुषी ने अपने पति को ही पराजित करार दे दिया। एक विद्वान नें देवी भारती से नम्रतापूर्वक जिज्ञासा की- हे ! देवी आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं फिर वापस लौटते ही आपनें ऐसा फैसला कैसे दे दिया? देवी भारती ने मुस्कुराकर जवाब दिया - जब भी कोई विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है, और उसे जब हार की झलक दिखने लगती है तो इस वजह से वह क्रोधित हो उठता है और मेरे पति के गले की माला उनके क्रोध की ताप से सूख चुकी है जबकि शंकराचार्य जी की माला के फूल अभी भी पहले की भांति ताजे हैं। इससे ज्ञात होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है। विदुषी देवी भारती का फैसला सुनकर सभी दंग रह गये, सबने उनकी काफी प्रशंसा की। क्रोध मनुष्य की वह अवस्था है जो जीत के नजदीक पहुंचकर हार का नया रास्ता खोल देता है। क्रोध न सिर्फ हार का दरवाजा खोलता है, बल्कि रिश्तों में दरार का कारण भी बनता है। इसलिये कभी भी क्रोध को खुद पर हावी ना होने दें। कोध्र से भ्रम पैदा होता है, भ्रम से बुद्धि व्यग्र होती है, जब बुद्धि व्यग्र होती है तब तर्क नष्ट हो जाता है, जब तर्क नष्ट होता है, तब व्यक्ति का पतन हो जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा।

वृषभ

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है।

कन्या

बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला

सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मकर

सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें।

मीन

मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें।

हालीवुड | रिलीज डेट

जब मैं बुरे समय में थी तो शराब पीने लगी थी : जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म पेद्दी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी जिंदगी के एक मुश्किल दौर के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने अक्सर अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखा है। हालांकि उन्होंने मुश्किल दौर में एक गलत आदत को अपनाने के बारे में खुलकर बात की है। राज शमानी के साथ बातचीत में जान्हवी कपूर ने माना कि जब वह मुश्किल दौर में थीं तो वह शराब पीने लगी थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इसकी लत नहीं लगी थी। जान्हवी ने कहा मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे लत लग गई थी, मगर मैं अक्सर शराब पी रही थी। यह मेरी जिंदगी के एक बहुत ही दुखद अनुभव के बाद हुआ था। मुझे लगा कि मुझे बस नशे में डूब जाना है। शराब के नुकसान को लेकर उन्होंने कहा शराब पीकर मेरे शरीर के साथ जो हो रहा था वह मुझे पसंद नहीं आया। मुझे यह भी पसंद नहीं आया कि जब मैं सुबह उठती थी तो अजीब महसूस होता था। हैंगओवर का वह एहसास, मुझे उससे बहुत नफरत होती थी। यह बहुत अजीब था। मुझे अपने आप से एक ऐसी बदबू आती थी, जो नशे की लत वाले इंसान की बदबू से बहुत मिलती-जुलती थी। जान्हवी कपूर ने माना कि शराब पीने के बाद उनके बदन से जो बदबू आ रही थी, उसने उन्हें सोचने पर मजबूर किया। उन्होंने सोचा कि एक नाजुक दौर में वह अपनी जिंदगी में किन चीजों को आने दे रही थीं। इसके बाद उन्होंने शराब छोड़ दी। काम की बात करें तो, जान्हवी कपूर आखिरी बार फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आई थीं। अगली बार वह राम चरण के साथ फिल्म पेद्दी में नजर आएंगी। यह फिल्म 6 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करुप्पु से जारी हुआ तृषा कृष्णन का लुक

त्रिशा कृष्णन थलापति विजय के साथ अपने कथित रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच मेकर्स ने उनकी अपकमिंग फिल्म करुप्पु की एक झलक शेयर की है। इसमें त्रिशा कृष्णन का लुक नजर आया है। इस फिल्म में उनके साथ सूर्या अहम किरदार में हैं।

सूर्या के साथ नजर आएंगी तृषा कृष्णन

मेकर्स ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में तृषा कृष्णन नजर आती हैं। वीडियो देखकर अंदाजा लग रहा है कि तृषा इसमें एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है।

हाल ही में, मेकर्स ने सूर्या के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टीजर शेयर किया। टीजर में, एक्टर को जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस करते हुए देखा गया।

टीजर में एक्टर को एक ऐसे इंसान के तौर पर दिखाया गया है, जो स्ट्रीट फाइटिंग में माहिर है और कोर्ट में भी केस जीतना जानता है। फिल्म में उन्हें भी एक वकील के तौर पर दिखाया गया है।

इस फिल्म को आरजे बालाजी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। यह फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

हाल ही में तृषा थलापति विजय के साथ एक शादी में नजर आईं। इसके बाद वह सुर्खियों में आ गईं। इसकी वजह यह थी कि विजय की पत्नी संगीता ने आरोप लगाया था कि विजय का एक एक्ट्रेस से रिश्ता है। उन्होंने अदालत में इसी आधार पर विजय से तलाक की मांग की है।

अक्षरा सिंह की जिंदगी में फिर से प्यार ने दी दस्तक

अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी।

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं।

बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे।

भोजपुरी मसाला

अजब-गजब | इस शहर का है अनोखा राज

यहां 2012 से इंसान नहीं, कुत्ता संभाल रहा है मेयर की कुर्सी

सोचिए एक ऐसी जगह, जहां राजनीति का शोर नहीं, न वादों की भीड़ और न ही किसी तरह का चुनावी तनाव है। कैलिफोर्निया के इडिलविल्ड नाम के एक छोटे से पहाड़ी कस्बे में कुछ ऐसा ही अनोखा नजारा देखने को मिलता है। यहां पिछले कई सालों से इंसान नहीं, बल्कि Golden Retriever नस्ल के कुत्ते मेयर की भूमिका निभा रहे हैं। सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन इस पहल ने इस शहर को खास पहचान दिला दी है। दरअसल, इस अनोखी परंपरा की शुरुआत साल 2012 में एक मजाकिया लेकिन नेक मकसद के साथ हुई थी। स्थानीय पशु संरक्षण समूह के लिए फंड जुटाने के लिए एक चैरिटी इवेंट आयोजित किया गया था। जिसमें लोगों से कहा गया कि वे अपने पसंदीदा उम्मीदवार के नाम पर दान करें। इसी प्रक्रिया के दौरान मेयर मैक्स नाम के कुत्ते को सबसे ज्यादा समर्थन मिला और वह इस पद पर चुना गया। यहीं से एक दिलचस्प परंपरा की शुरुआत हुई, जो आज भी जारी है। हालांकि इन डॉग मेयर्स के पास कोई आधिकारिक प्रशासनिक अधिकार नहीं होते, लेकिन उनका प्रभाव कम नहीं है। वे शहर के आयोजनों में हिस्सा लेते हैं, पर्यटकों से मिलते हैं और

स्थानीय कार्यक्रमों का चेहरा बनते हैं। समय के साथ ये मेयर इस कस्बे की पहचान बन गए हैं और लोगों के बीच एक अलग तरह की सकारात्मक ऊर्जा पैदा करते हैं। इस अनोखे आइडिया का सबसे बड़ा फायदा पर्यटन को मिला है। दुनिया भर से लोग सिर्फ इस खास मेयर से मिलने और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए यहां पहुंचते हैं। इससे स्थानीय व्यापार और होटल इंडस्ट्री को भी बढ़ावा मिला है। अब शहर में घूमते हुए आपको ये डॉग मेयर कभी किसी इवेंट में, तो कभी सड़क पर लोगों का स्वागत करते नजर आ सकते हैं।

स्थानीय लोगों का मानना है कि यह परंपरा शहर में एकता और खुशी का माहौल बनाती है। जहां आमतौर पर राजनीति लोगों को बांटती है, वहीं यहां एक कुत्ता लोगों को जोड़ने का काम कर रहा है। यह मेयर किसी पार्टी या विचारधारा का प्रतीक नहीं, बल्कि सादगी, खुशी और समुदाय की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। दिलचस्प बात यह है कि यह इकलौता उदाहरण नहीं है। Talkeetna नाम के कस्बे में स्टब्स नाम की एक बिल्ली भी कई सालों तक मानद मेयर रही थी। ऐसे प्रयोग दिखाते हैं कि छोटे-छोटे आइडिया भी किसी जगह की पहचान को पूरी तरह बदल सकते हैं। कुल मिलाकर, इडिलविल्ड की यह कहानी बताती है कि कभी-कभी मुस्कान और हल्का-फुल्का ह्यूमर भी बड़े बदलाव ला सकता है। एक साधारण फंडरेजर से शुरू हुई यह पहल आज एक मजबूत परंपरा बन चुकी है, जिसने न सिर्फ शहर की अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचाया, बल्कि लोगों के बीच अपनापन भी बढ़ाया है।

महिला को है घोड़ी बनने का शौक घोड़ों की तरह हिनहिना करती है बातें!

दुनिया में हर इंसान की अपनी-अपनी पसंद और शौक होते हैं। कोई संगीत पसंद करता है, कोई खेल, तो कोई ट्रैवल। लेकिन कुछ लोगों के शौक इतने अनोखे होते हैं कि देखने वाले हैरान रह जाते हैं। TLC चैनल की पॉपुलर रियलिटी सीरीज "My Strange Addiction" में एक बार फिर ऐसी ही अजीबोगरीब कहानी सामने आई है। इस बार 31 साल की एक महिला ने खुद को घोड़ी बताते हुए सबको चौंका दिया। महिला का कहना है कि वो दिमाग से घोड़ी है। वो इंसान की जिंदगी जीना पसंद नहीं करती। वो घोड़ों की तरह व्यवहार करती है, हिनहिनाती है, घास चरने की कोशिश करती है, चारों टांगों से चलने की प्रैक्टिस करती है और घोड़ों वाले सामान (हार्नेस, सैडल आदि) पहनकर अपनी फैंटसी पूरी करती है। सीरीज में महिला ने बताया कि बचपन से ही उसे घोड़ों का बहुत शौक था। धीरे-धीरे ये शौक इतना बढ़ गया कि वो खुद को घोड़ा समझने लगी। वो कहती है, मैं इंसान नहीं, घोड़ी हूं। मुझे घोड़ों की दुनिया में रहना अच्छा लगता है। वो अपने पार्टनर या दोस्तों से भी घोड़ी की तरह बर्ताव करने को कहती है। परिवार वाले शुरू में इसे शौक समझते थे लेकिन अब चिंतित हैं। दोस्त और समाज इसे अजीब नजरों से देखते हैं। महिला कहती है कि वो अपनी इस पहचान को छुपाती नहीं बल्कि खुलकर जीती है। वो घोड़ों के साथ ज्यादा समय बिताती है और खुद को उनके जैसा महसूस करती है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार यह Species Dysphoria या Equine Identity जैसी दुर्लभ मनोवैज्ञानिक स्थिति हो सकती है जिसमें व्यक्ति खुद को किसी दूसरे प्रजाति का समझता है। यह बॉडी डिस्मॉर्फिया या गहरी फैंटसी से जुड़ा हो सकता है। कुछ एक्सपर्ट्स इसे इम्पल्स कंट्रोल डिसऑर्डर या गंभीर ऑब्सेशन भी मानते हैं। TLC की ये सीरीज सालों से लोगों की अजीब लतों को दिखाती आ रही है। पहले एपिसोड में लोगों ने पेंट खाना, गाड़ियों से प्यार करना, या दूसरी विचित्र आदतें दिखाई थी। इस महिला का केस भी उसी सीरीज का हिस्सा है जो दर्शकों को हैरान और सोचने पर मजबूर कर देता है।

आदिवासियों के साथ हो रहा जानवरों से भी बदतर व्यवहार

» मप्र में आदिवासी युवक की पिटाई का वीडियो वायरल, मामले ने पकड़ा तूल

सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिंगरौली। सिंगरौली के निगाही सीएचपी मधुकान क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां एक असहाय अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति के साथ बर्बर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग युवक को बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं, जबकि मौके पर मौजूद अन्य लोग मूकदर्शक बने हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मामले ने क्षेत्र में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वहीं विपक्ष ने बीजेपी की सरकार पर निशाना साधा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सिंगरौली में एक असहाय आदिवासी आदमी को भद्दी-भद्दी गालियां देकर बुरी तरह से पीटने का यह वीडियो मानवता को शर्मसार करता है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों का दावा है कि घटना के दौरान कुछ लोगों ने मारपीट के लिए उकसाया भी, यहां तक कि पैर तोड़ने जैसी बातें भी कही गईं। सूत्रों के अनुसार, इस पूरे घटनाक्रम में

मधुकान कंपनी से जुड़े कुछ अधिकारियों के नाम भी सामने आ रहे हैं, जिनमें डीजीएम विनीत पांडे, एमडी सिंह और जगदीश सिंह का उल्लेख किया जा रहा है। आरोप है कि उनके संरक्षण या मौन सहमति में यह घटना हुई। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। आदिवासियों की जमीन छीनने के साथ ही साथ उनके साथ खुलेआम जानवरों से भी बदतर व्यवहार हो रहा है। डबल इंजन सरकार में यह बर्बरता हो रही है और भाजपा में सुई टपक सन्नाटा है। इन दरिंदों को पुलिस, प्रशासन, सरकार किसी का डर क्यों नहीं है? कितना दुखद है कि आदिवासियों के साथ हमारे देश में यह अराजकता तब हो रही है।

फिलहाल मैं अभी भारतीय जनता पार्टी में हूं: बृजभूषण

» सपा में जाने की अटकलों पर दिया बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश स्थित कैसरगंज से पूर्व सांसद, भारतीय जनता पार्टी के नेता और कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने समाजवादी पार्टी में शामिल होने पर बड़ा बयान दिया है। मुजफ्फरनगर में उन्होंने पत्रकारों के सवालों पर कहा कि लोगों का काम है कहना, बोले अभी मेरा एक बेटा बीजेपी से सांसद है, एक विधायक है, छह बार मैं सांसद रहा हूं, और एक बार पत्नी सांसद रहीं हैं। फिलहाल मैं अभी भारतीय जनता पार्टी में हूं।

बृज भूषण शरण सिंह मुजफ्फनगर में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां पत्रकारों ने उनसे सपा में जाने की अटकलों को लेकर सवाल पूछा था। जिसमें उन्होंने अभी बीजेपी में ही रहने का दावा किया। पिछले कई दिनों से बृज भूषण शरण सिंह के सपा में जाने की बातें उठ रहीं हैं। अखिलेश यादव ने भी इस सवाल पर कहा था कि उस समय क्या परिस्थितियां होंगी? कहा नहीं जा सकता। जबकि बृज भूषण शरण सिंह का भी अखिलेश यादव के प्रति नरम रुख काफी दिनों से देखने को मिल रहा है। जिस कारण इन राजनीतिक अटकलों को हवा मिल रही है। यही नहीं बृज भूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह भी अपने लिए राजनीतिक पिच तैयार कर रहीं हैं। बीते दिनों मजदूर आंदोलन पर उन्होंने मजदूरों के समर्थन में बयान दिया था। माना जा रहा है कि उन्हें नोएडा से ही एक सीट से लड़ाया जाएगा। जिसमें नोएडा, दादरी और जेवर है. फ़िलहाल अभी सियासी अटकलों का दौर जारी है्द जबकि आज बृज भूषण शरण सिंह का बयान यह बता रहा है कि वे परिस्थिति के हिसाब से अभी पत्ते नहीं खोलेंगे। उन्होंने कहा कि वे अभी 027 को लेकर कोई बयानबाजी या भविष्यवाणी नहीं करेंगे। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि कहीं न कहीं अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है।

राघव चड्ढा राष्ट्रपति से करेंगे मान सरकार की शिकायत

» सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी में आंतरिक कलह के बीच, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलकर पंजाब सरकार की शिकायत करेंगे। यह मुलाकात चड्ढा और पार्टी आलाकमान, खासकर अरविंद केजरीवाल, के बीच बढ़ती दूरियों को उजागर करती है, जहाँ उन पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात का समय मांगा है। सूत्रों के अनुसार, वे पंजाब में सरकारी मशीनरी के कथित दुरुपयोग और राजनीतिक बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई की शिकायत करना चाहते हैं।

राष्ट्रपति कार्यालय ने उन्हें 5 मई की सुबह 10:40 बजे मिलने का समय दे दिया है। राघव का आरोप है कि पंजाब के सरकारी तंत्र का इस्तेमाल उन सांसदों और नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है, जो हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। इस मुलाकात के दौरान उनके साथ तीन अन्य सांसद भी मौजूद रहेंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब राघव और पार्टी आलाकमान के बीच दूरियों की खबरें लगातार चर्चा में हैं राघव कभी अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद साथियों में गिने जाते थे, लेकिन हाल के दिनों में समीकरण बदलते दिखे हैं। बताया जा रहा है कि जब केजरीवाल जेल में थे, तब राघव का लंदन में होना और वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करना पार्टी नेतृत्व को रास नहीं आया। उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान भी पंजाब की मुख्य रणनीति से दूर रखा गया, जिससे पार्टी के अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आने लगे।

संविधान जीता, दमनकारी मशीनरी हारी: खेड़ा

» कोर्ट से राहत के बाद भाजपा भड़के कांग्रेस नेता दिल्ली में जोरदार स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने संविधान और न्यायपालिका के प्रति अपना अटूट विश्वास दोहराया। यह पूरा मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े कथित मानहानि और जालसाजी के आरोपों से संबंधित है, जिसमें कोर्ट ने खेड़ा को बड़ी राहत दी है। अग्रिम जमानत मिलने के बाद जब पवन खेड़ा दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, तो वहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने इस फैसले को संविधान की जीत बताया। खेड़ा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब भी सरकार अपनी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर किसी नागरिक के अधिकारों को दबाने की कोशिश करती है, तब बाबा साहब का बनाया संविधान ही रक्षा कवच बनकर सामने आता है।जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में यह मामला राजनीति से प्रेरित और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रभावित लगता है। अदालत ने माना कि इस मामले में हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के उस फैसले को भी त्रुटिपूर्ण बताया, जिसमें खेड़ा की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

ये था पूरा विवाद

यह मामला पवन खेड़ा द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा पर लगाए गए आरोपों से जुड़ा था। उन पर आरोप था कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मानहानि और जालसाजी की। सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को जांच में पूरा सहयोग करने के निर्देश दिए थे। जमानत की मुख्य शर्तों में, पुलिस जब भी बुलाएगी, उन्हें जांच के लिए पेश होना होगा। वे गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं करेंगे और बिना अदालत की अनुमति के वे देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकेंगे, शामिल हैं।

कुत्ता-बिलाई को जानबो नहीं करते हैं : अनंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छपरा। बिहार की राजनीति में अपने बेबाक और दबंग अंदाज के लिए मशहूर बाहुबली जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने पप्पू यादव को जानने से इंकार कर दिया। अनंत सिंह के निशाने पर पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव रहे। छपरा के मसरख में पत्रकारों ने पप्पू यादव से जुड़े सवाल पूछा तो अनंत सिंह भड़क गए। भाषाई मर्यादा की सीमा लांघ दी।

उन्होंने न केवल पप्पू यादव को पहचानने से इनकार किया, बल्कि उनके लिए बेहद कड़े और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल भी किया। दरअसल, दोनों नेताओं के बीच यह जुबानी जंग पप्पू यादव की ओर से महिलाओं को लेकर दिए गए एक आपत्तिजनक बयान के बाद और तेज हो गई है। मसरख में जब पत्रकारों ने अनंत सिंह से पूछा कि पप्पू यादव उन्हें लगातार टारगेट कर रहे हैं, तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कौन हैं पप्पू यादव? हम कुत्ता-बिलाई का नाम नहीं जानते हैं।

लगातार दूसरे मैच में भी पंजाब के हाथ लगी हार

» गुजरात ने चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की ओर बढ़ाये कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। जेसन होल्डर की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद साई सुदर्शन की दमदार बल्लेबाजी के बदौलत गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने सूर्यांश शेडगे की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 19.5 ओवर में छह विकेट खोकर 167 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस सत्र में यह पंजाब की लगातार दूसरी हार है। इससे पहले टीम को राजस्थान रॉयल्स ने मात दी थी। फिलहाल टीम अंक तालिका में 13 अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं, गुजरात 10 में से छह मुकाबले जीतकर 12 अंक लेकर पांचवें पायदान पर बनी हुई है।

इस जीत के साथ गुजरात प्लेऑफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाने में सफल रही है। अब चार टीमों के खाते में 12 अंक हो गए हैं। इनमें गुजरात के अलावा आरसीबी, हैदराबाद और राजस्थान शामिल है। शीर्ष-चार पर रहने वाली टीमें आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी। 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को साई सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाते हुए टीम को मजबूती दी। सुंदर ने 23 गेंदों में 40 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को रोमांचक जीत दिलाई। इससे पहले, पंजाब को पहले ही ओवर में लगातार दो झटके लगे। इसके बाद प्रभसिमरन ने कप्तान के साथ दूसरे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 35 के स्कोर तक पहुंचाया। जिसके बाद टीम ने 47 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए।

केकेआर की हैदराबाद के खिलाफ 21वीं जीत

हैदराबाद। केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को मुकाबले में सात विकेट से हराया। केकेआर ने इस तरह प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवंत रखा है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवर में 165 रन बनाए थे। जवाब में केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने अर्धशतक लगाया और कप्तान रहाणे के साथ मिलकर शानदार साझेदारी की जिससे टीम ने 18.2 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन बनाकर मैच जीता। केकेआर की यह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 32 मैचों में 21वीं जीत है। यह आईपीएल में किसी टीम के खिलाफ केकेआर की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे ज्यादा जीत है। केकेआर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ भी 21 मैच जीते हैं। वहीं, आईपीएल में किसी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के नाम है जिन्होंने केकेआर के खिलाफ 25 मैच जीते हैं।

राजधानी लखनऊ सहित यूपी के कई जिलों में सुबह छाया अंधेरा

» आसमान में काले बादल छाए फिर जमकर हुई बारिश

» कई मोहल्लों में पानी भरने से लोग हुए परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सहित यूपी के कई जिलों में सोमवार की सुबह करीब नौ बजे मौसम अचानक बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। हाल ये हो गया कि हर तरफ अंधेरा छा गया। इसके साथ ही तेज हवाएं चलने लगीं और बारिश होने लगी। इस दौरान ऑफिस जाने के निकले लोगों को अपने वाहनों की लाइटें जलानी पड़ीं। कई जगह पानी भरने लोग परेशान रहे।

मौसम विभाग ने अगले पांच दिन के लिए प्रदेश में बूंदाबांदी, आंधी और ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की है। वहीं बारिश के बाद कई मोहल्लों व कालोनियों में पानी भर गया जिससे लोगों को आने जाने में काफी दिक्क्तों का सामना करना पड़ा। प्रदेश में संभावित खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। आंधी, तेज हवाओं और बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है। मौसम विभाग की दी गई चेतावनी के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं होंगी। अगले चार-पांच दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है।

विपक्ष के निशाने पर आया केचुआ

विधानसभा चुनाव में रुझानों व नतीजों पर आए बयान, सपा, नेकां समेत सभी दलों ने भाजपा पर साधा निशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में रुझानों में ही भारतीय जनता पार्टी ने सुबह दस बजे तक बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया हैं, जिसके बाद बीजेपी यहां एक बड़ी जीत की ओर बढ़ती दिख रही हैं जिस पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया आना शुरू हो गई है। सपा, नेंका से लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से लेकर ईवीएम की कार्यप्रणाली पर सवा उठाए हैं।

अवधेश प्रसाद ने बंगाल चुनाव के नतीजों के बीच दावा किया कि बीजेपी ने इस चुनाव में अपनी पूरी शक्ति लगा दी और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की। सपा सांसद ने कहा, बंगाल के चुनाव में तो भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से लोकतंत्र को खत्म करने का और बाबा साहब अंबेडकर के दिए हुए अधिकारों को खत्म करने का पूरी तरह से प्रयास किया है और जिस तरह से केंद्र से कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी बहुत बड़ी मात्रा में और उन्होंने वोटो में गड़बड़ी करने का प्रयास कराया ।

बंगाल नतीजों के रुझान देखकर बेहद चौंके उमर

वहीं सीएम उमर अब्दुल्ला बंगाल नतीजों के रुझान देखकर बेहद चौंक गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केवल दो शब्दों में अपनी हैरानी बयां करते हुए लिखा- ब्लडी हेल इसके साथ उन्होंने ऐसे इमोजी का इस्तेमाल किया है। इससे पहले जब एग्जिट पोल में भी पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत का दावा किया गया था, तब भी उमर अब्दुल्ला ये मानने को तैयार नहीं थे, दो दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा था कि एग्जिट पोल के रुझान कब सही साबित हुए हैं, पांच साल पहले भी एग्जिट पोल बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने का दावा कर रहे थे, लेकिन नतीजा क्या निकला था? ममता बनर्जी की सरकार आई थी। इसी के साथ उमर अब्दुल्ला ने दावा किया था कि इस बार के एग्जिट पोल भी गलत साबित होंगे, हालांकि, अब ममता बनर्जी पर उनका विश्वास टूटता दिख रहा है और बीजेपी की बढ़त वाले रुझान देखकर उमर अब्दुल्ला हैरान हैं।

कन्हैया कुमार ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर निशाना साधा

कांग्रेस के फायरब्रांड नेता और स्टार प्रचारक कन्हैया कुमार के एक ताजा पोस्ट ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। कन्हैया कुमार ने मतगणना के दौरान चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर निशाना साधते हुए लोकतंत्र की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा, अगर बीजेपी बंगाल जैसे राज्य में भी नहीं जीतेगी, तो हमारा चुनाव आयोग से भरोसा उठ जाएगा। कन्हैया का यह कटाक्ष सीधे तौर पर उस धारणा पर प्रहार है, जिसमें विपक्ष अक्सर चुनाव आयोग पर सत्ता पक्ष के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। उनके इस बयान को इस तरह देखा जा रहा है कि यदि इतने भारी विरोध और जमीनी हकीकत के बावजूद नतीजे बीजेपी के पक्ष में जाते हैं, तो यह संस्थागत निष्पक्षता पर बड़ा सवाल होगा।

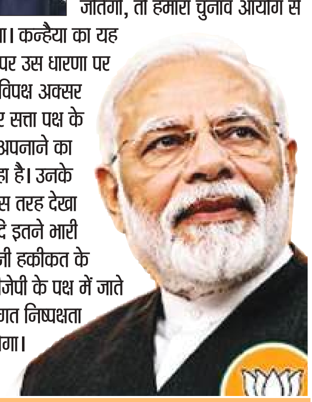

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतपॉल शर्मा ने उमर अब्दुल्ला को ट्वीट पर घेरा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सत पॉल शर्मा ने उमर अब्दुल्ला के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी भाषा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री रह चुके नेता को अपनी बात रखते समय मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। सत पॉल शर्मा ने विशेष रूप से कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए ब्लडी हेल जैसे शब्दों पर आपत्ति जताते हुए इसे अनुचित बताया और कहा कि यह हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी हार के बावजूद इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया और सभी नेताओं को संयम बरतना चाहिए।

बारामती सीट पर एनसीपी की सुनेत्रा पवार की सुनामी

नागालैंड- त्रिपुरा और गुजरात में खिला कमल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों की सात सीटों पर उपचुनाव में कड़ी टक्कर जारी है। कर्नाटक की दो सीटों पर कांग्रेस आगे है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में भाजपा-एनसीपी बढ़त में हैं। वहीं नागालैंड और त्रिपुरा व गुजरात की उमरेठ में भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है। कर्नाटक की बागलकोट सीट पर कांग्रेस के उमेश हुल्लप्पा मेती आगे चल रहे हैं, जबकि दावणगेरे साउथ सीट पर कांग्रेस के समार्थ शमनूर मल्लिकार्जुन बढ़त बनाए हुए हैं। महाराष्ट्र की बारामती सीट पर एनसीपी की सुनेत्रा अजित पवार 87529 वोटों से आगे हैं।

वहीं राहुरी सीट पर भाजपा के अक्षय शिवाजीराव कर्दिले बढ़त में हैं। इस बीच दो सीटों पर नतीजे घोषित हो चुके हैं। नागालैंड की कोरिडांग सीट पर भाजपा के दाओचियर इमचेन ने 3123 वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं त्रिपुरा की धर्मनगर सीट पर भाजपा के जहर चक्रवर्ती 18290 वोटों से विजयी हुए हैं। इसके साथ ही गुजरात की उमरेठ सीट पर भाजपा के हर्षदभाई गोविंदभाई परमार को 30743 वोटों से जीत मिली है। महाराष्ट्र की दोनों ही सीटों पर मतदान प्रतिशत मध्यम स्तर का रहा, जिससे परिणामों को लेकर राजनीतिक हलकों में उत्सुकता बनी हुई है। पुणे जिले की बारामती विधानसभा सीट पर 58.27 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह सीट 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार के निधन के बाद खाली हुई थी। इस उपचुनाव में उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार पहली बार चुनाव मैदान में उतरी हैं। बारामती में कुल 23 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन किसी बड़े राजनीतिक दल ने उनके खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारा है।

ये भ्रष्टाचार की समाधि है: तेजस्वी

» भागलपुर में विक्रमशिला सेतु पर एक शिलाखंड गिरने पर की एनडीए सरकार की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को भागलपुर में विक्रमशिला सेतु पुल पर एक शिलाखंड गिरने की घटना के बाद एनडीए सरकार की आलोचना की। एक बयान में, राष्ट्रीय जनता दल के नेता ने इस घटना के लिए भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पुल को पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया गया था।

उन्होंने आगे कहा कि सौभाग्यवश पुल गिरने से किसी की जान नहीं गई। एक्स कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने कहा कि और अब, भ्रष्ट एनडीए सरकार की कृपा से, भागलपुर का विक्रमशिला पुल गंगा नदी में समाधि ले चुका है। भ्रष्टाचार का इससे बड़ा प्रत्यक्ष प्रमाण और क्या चाहिए? पिछले महीने हमने सरकार को चेतावनी दी थी कि यह पुल गिर सकता है, लेकिन हमेशा की तरह सरकार ने अपने भ्रष्ट तंत्र का बचाव करते हुए पल्ला झाड़ लिया। जब पुल गिरा, उस समय उस पर कई वाहन थे, लेकिन ईश्वर की कृपा से वे गिरते हुए मलबे पर नहीं थे, इसलिए कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। पिछले दो वर्षों में बिहार में 100 से अधिक पुल और पुलिया गिर चुके हैं - यही कारण है कि भ्रष्टाचार के मामले में बिहार शीर्ष पर है।

झपकी बनी काल, जालौन में भीषण सड़क हादसा

» छह की जान गई, चार गंभीर रूप से घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालौन। जालौन जनपद के कालपी कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जोल्हुपुर मोड़ के पास हुआ, जहां अयोध्या से उरई लौट रही एक कार चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन से जा भिड़ी।

मिली जानकारी के अनुसार, ललितपुर जनपद के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी अपने परिजनों के साथ अयोध्या दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार से वापस लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जैसे ही उनकी कार कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर मोड़ के पास पहुंची, चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सामने चल रहे वाहन से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुछ घायल करीब एक घंटे तक कार के केबिन में फंसे रहे, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही कालपी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे में घायलों को बचाते समय कार ने रौंदा, 8 लोगों की मौत

अंबेडकरनगर में मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार लोग घायल हो गए। उन्हें बचाने गए लोगों को तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर ने टक्कर मार दी जिससे 8 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी ने वहां मौजूद लोगों को टक्कर मार दी और गड्ढे में जाकर पलट गई थी। पिता मायाराम का हादसे के बाद से बुरा हाल है। वहीं अभी दो अन्य शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ जयवीर सिंह ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। अज्ञात शवों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग उनकी मदद करने के लिए पहुंचे। जिनमें लालचंद्र पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन जलालपुर, उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा कटका, कैफी पुत्र हसन मोहसिन निवासी लोरपुर ताजन, राजू पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर सम्मनपुर सहित सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी आदित्य व दिव्यांशु दोनों सगे भाइयों की भी घटना में मौत हो गई। यह दोनों भाई एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जलालपुर गए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा